# Maharaja Surajmal Brij University

## Bharatpur (Rajasthan)

## Syllabus

## Multidisciplinary Course

## Subject: Sanskrit

## Semester – III, IV & V

## Academic Session (2024-25)

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

# SANSKRIT

# Session - 2024-25

## बहुविषयक पाठ्यक्रम (संस्कृत) वर्ष 2024–25

## तृतीय सेमेस्टर

सामान्य निर्देश –

1. प्रत्येक सेमेस्टर में एक प्रश्नपत्र होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक सैद्धान्तिक के साथ मध्यावधि मूल्यांकन सहित 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 32 तथा पूर्णांक 80 होंगे और समय 3 घंटे का होगा। इसके साथ प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक मध्यावधि मूल्यांकन हेतु निर्धारित है। उत्तीर्णांक 40% होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के पश्चात् ही मुख्य परीक्षा में परीक्षार्थी को बैठने की अनुमति होगी।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
6. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

[Type here]

पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद / निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

[Type here]

# बहुविषयक पाठ्यक्रम (संस्कृत) वर्ष 2024–25

MDC-SAN-10T -1001- -तृतीय सेमेस्टर

## श्रीमदभगवद्गीता, कथा साहित्य एवं प्रारम्भिक संस्कृत व्याकरण

समय : 3 घण्टे अंक : 80

सामान्य निर्देश –

1. प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 32 तथा पूर्णांक 80 होंगे और समय 3 घंटे का होगा। इसके साथ प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक मध्यावधि मूल्यांकन हेतु निर्धारित है। उत्तीर्णांक 40% होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के पश्चात् ही मुख्य परीक्षा में परीक्षार्थी को बैठने की अनुमति होगी।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
6. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. स्नातक स्तर में संस्कृत विषय के अन्तर्गत विद्यार्थी संस्कृत भाषा और उसके प्राचीनतम साहित्य से परिचित हो सकेगा। विश्व के अन्य देश जब सांकेतिक भाषा से वार्तालाप कर रहे थे, उस समय संस्कृत भाषा में ब्रह्म एवं आध्यात्मिक ज्ञान पर चिन्तन किया जा रहा था। स्नातक स्तर पर तृतीय सेमेस्टर के इस प्रश्न पत्र में चार यूनिट हैं। जिसमें वर्णोच्चारण शिक्षा,

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

जीवनोपयोगी शिक्षाओं, गीता एवं संस्कृत अनुवाद का विद्यार्थी अध्ययन करेगा तथा श्रीमद्भगवद्गीता के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी को कर्त्तव्यबोध का ज्ञान होगा।

पाठ्यक्रम

Unit- I–श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) 20 अंक

Unit- II–हितोपदेश (मित्रलाभ) 20 अंक

Unit- III –वर्णोच्चारण शिक्षा (पाणिनि–मुनि–प्रणीता, दयानन्दभाष्य सहित) 20 अंक

Unit- IV –प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी(कपिलदेव द्विवेदी) 20 अंक

अंक– विभाजन

| क्र. सं. | पुस्तक का नाम | प्रश्न संख्या 1 में लघूत्तरात्मकप्रश्न | अंक | निबन्धात्मक प्रश्न संख्या | अंक | अंको का योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) | 03 लघू. | 06 | 2 अ<br>2 ब | 14 | 10(5+5)+4=14 |
| 2. | हितोपदेश (मित्रलाभ) | 03 लघू. | 06 | 3 अ<br>3 ब | 14 | 10(5+5)+4=14 |
| 3. | वर्णोच्चारण शिक्षा (पाणिनि–मुनि–प्रणीत, दयानन्दभाष्य सहित) | 02 लघू. | 04 | 4 अ<br>4 ब | 16 | 10(5+5)+6=16 |
| 4. | प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी(कपिलदेव द्विवेदी) | 02 लघू. | 04 | 5 अ<br>5 ब | 16 | 8(4x2)+<br>8(4x2)=16 |
| | कुल | 1 | 20 | 04 | 60 | 80 |

## निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

**Unit- I**श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)

भाग अ में 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06अंक

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किसी 2 की सप्रसंगव्याख्या पूछी जायेगी। 10 (5+5) अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर देय है। 4 अंक

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

**Unit- II** हितोपदेश (मित्रलाभ) — 06 अंक

भाग अ में 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।

भाग ब

1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2की सप्रसंगव्याख्या पूछी जायेगी। — 10 (5+5) अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। — 4 अंक

**Unit- III** वर्णोच्चारण शिक्षा (पाणिनि–मुनि–प्रणीता,दयानन्दभाष्य सहित) — 04 अंक

भाग अ में लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।

भाग ब

1. 4 सूत्र पूछकर उनमें से किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या पूछी जायेगी — 10 अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देयहोगा। — 6 अंक

**Unit- IV** प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी (कपिलदेव द्विवेदी) — 04 अंक

भाग अ में 2 लघूत्तरात्मक अनुवाद सम्बन्धी प्रश्न पूछे जायेंगे ।

भाग ब

1. संस्कृत से हिन्दी–कारक संबंधी 04 वाक्यों का अनुवाद अपेंक्षित है। — 08 अंक
2. हिन्दी से संस्कृत– 08 वाक्य देकर 04 वाक्यों का अनुवाद अपेक्षित है। — 08 अंक

<u>*सहायक पुस्तकें–*</u>

1. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)
2. हितोपदेश (मित्रलाभ), चौखम्बा संस्कृत सीरीज
3. वर्णोच्चारण शिक्षा (पाणिनि–मुनि–प्रणीता) – श्रीमद्दयानन्दसरस्वतीस्वामिकृत – व्याख्या– सहिता, रामलाल कपूर ट्रष्ट
4. प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी
5. संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
6. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल

<u>पाठ्यक्रम का परिणाम –</u>

स्नातक स्तर पर संस्कृत विषय के इस प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम से विद्यार्थी को विषय के विस्तृत ज्ञान का अवसर मिलेगा। भगवद्गीता तथा हितोपदेश के माध्यम से विद्यार्थी में मानवीय गुणों का विकास होगा जो वर्तमान संक्रमित काल में अत्यावश्यक है।

<u>ज्ञेय परिणाम –</u>

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

[Type here]

विद्यार्थी द्वारा भारतीय धर्म दर्शन के गूढ़ रहस्यों को जानकर अपने जीवन में अंगीकृत करने की प्रवृत्ति का विकास होगा तथा वह समाज का मार्ग प्रशस्त करने का आधार बनेगा।

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

# बहुविषयक पाठ्यक्रम (संस्कृत) वर्ष 2024–25

## MDC- SAN – 10T -2001 –चतुर्थ सेमेस्टर

## उपनिषद्, काव्य, व्याकरण एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

अंक : 80

समय : 3 घण्टे

सामान्य निर्देश –

1. प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 32 तथा पूर्णांक 80 होंगे और समय 3 घंटे का होगा। इसके साथ प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक मध्यावधि मूल्यांकन हेतु निर्धारित है। उत्तीर्णांक 40% होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के पश्चात् ही मुख्य परीक्षा में परीक्षार्थी को बैठने की अनुमति होगी।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।

1. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद / निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य :–

स्नातक स्तर में संस्कृत पढ़ने पर विद्यार्थी को गौरव का अनुभव होगा। स्नातक स्तर पर चतुर्थ सेमेस्टर के इस प्रश्न पत्र में 4 यूनिट है। जिसमें औपनिषदिक ज्ञान से जुड़े विषयों के साथ साहित्य, व्याकरण एवं रामायण, महाभारत आदि से जुड़े विषयों का समावेश किया गया है। औपनिषदिक मंत्रों के अध्ययन से मन से सम्बन्धित विकारों का निदान होगा जो कि वर्तमान काल में अत्यन्त आवश्यक है।

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

पाठ्यक्रम

Unit- I–कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली) – 20 अंक

Unit- II - ऋतुसंहारम् – कालिदास 20 अंक

Unit- III - व्याकरण–लघुसिद्धान्तकौमुदी–संज्ञा, एवं संधि प्रकरण 20 अंक

क – संज्ञा प्रकरण–
ख – अच् संधि–
ग – हल् संधि–
घ – विसर्ग संधि–

Unit- IV -संस्कृत साहित्य का इतिहास 20 अंक

1. वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय– संहिताएं, आरण्यक, ब्राह्मणग्रन्थ, उपनिषद्, वेदांग। 2. लैकिक सात्यि–रामायण और महाभारत। 3. काव्य –अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, जयदेव, भर्तृहरि और उनके कार्य, महाकाव्यों की उत्पत्ति और विकास।

अंक– विभाजन

| क्र. सं. | पुस्तक का नाम | प्रश्न संख्या 1 में लघूत्तरात्मकप्रश्न | अंक | निबन्धात्मक प्रश्न संख्या | अंक | अंको का योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली) | लघूत्तरात्मक 3 | 06 | 02 अ<br>02 ब | 14 | 4<br>10(5+5) |
| 2. | ऋतुसंहारम् – कालिदास | लघूत्तरात्मक 3 | 06 | 02 अ<br>02 ब | 14 | 10(5+5)+4 |
| 3. | व्याकरण–लघुसिद्धान्तकौमुदी–संज्ञा, एवं संधि प्रकरण | लघूत्तरात्मक 2 | 04 | 03 अ<br>03 ब<br>03 स | 16 | 6+10+2 |
| 4. | संस्कृत साहित्य का इतिहास | लघूत्तरात्मक 2 | 04 | 04 अ<br>04 ब<br>04 स | 16 | 5+5+6 |
|  | कुल | 10 | 20 | 04 | 60 | 20+60=8 |

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

## निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

**I** - कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली)
भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक
भाग ब
1.दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट है। 04 अंक
2. चारविषयों पर टिप्पणी पूछ कर किन्हीं दो का उत्तर अभीष्ट है। 10(5+5) अंक

**II** - ऋतुसंहारम् — कालिदास
भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक
भाग ब
1. 4 श्लोक पूछकर उनमें से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 10(5+5) अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 04 अंक

**III** - व्याकरण–लघुसिद्धान्तकौमुदी–संज्ञा, एवं संधि प्रकरण
भाग अ में 2–2 अंक के संज्ञा प्रकरण से दो लघूत्तरात्मक प्रश्न से पूछे जायेंगे । 04 अंक
अ. अच् संधि–
4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 04 अंक
प्रत्येक व्याख्या के लिये चार में से दो सिद्धि निश्चित हैं। 04 अंक

ब. हल् संधि–
4 सूत्र पूछकर किन्हीं 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 04 अंक
प्रत्येक व्याख्या के लिये चार में से दो सिद्धि निश्चित हैं। 04 अंक

स. विसर्ग संधि–
2 सूत्र पूछकर किसी 1 सूत्र की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है। 02 अंक

**IV** - सहायक पुस्तकें–
1. कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली) – शाङ्करभाष्य सहित – गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली) – डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।

ऋतुसंहारम् — कालिदास
1. ऋतुसंहारम् — कालिदास – आचार्य बाबूलाल शुक्ल, कालिदास अकादमी, उज्जैन।

व्याकरण के लिये

डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ.बसंत जैतली एवं डॉ. राजेश कुमार,जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्रीमहेश सिंह कुशवाहा, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान , दिल्ली।
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी– भीमसेन शास्त्री।
5. संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
6. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल

संस्कृत काव्य का इतिहास –

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – पी.वी. काणे, मोतीलाल बनारसी, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – कपिल देव द्विवेदी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
5. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – ए.बी. कीथ
6. अलंकारशास्त्रेतिहासः – डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्रः

## IV - संस्कृत काव्य का इतिहास –

1. किन्हीं दो कवियों के व्यक्तित्व कृतित्व सम्बन्धी प्रश्न पूछकर किसी एक कवि से सम्बन्धित उत्तर अभीष्ट है। 05 अंक

2. किन्हीं दो कवियों के काव्य के वैशिष्ट्य सम्बन्धी प्रश्न पूछकर एक कवि के सम्बन्ध में उत्तर अभीष्ट है। 05 अंक

3. रामायण एवं महाभारत सम्बन्धी निबन्धात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 06 अंक

पाठ्यक्रम का परिणाम :–

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से संस्कृत विषय में वैदिक साहित्य विशेष रूप से उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन सम्बन्धी विषयों में समृद्धतासे विद्यार्थी का परिचय होगा। इस प्रकार के पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी में मानवीय गुणों का विकास होगा, जो वर्तमान संक्रमित काल में अत्यावश्यक है।

ज्ञेय परिणाम :–

डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

[Type here]

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी को संस्कृत वाङ्मय के अन्तर्गत वेद, उपनिषद, आर्षकाव्य एवं लौकिक साहित्य को जानने समझने का सुअवसर प्राप्त होगा। वर्तमान भौतिकवादी युग के अशान्त जीवन में विद्यार्थी को आत्मिक शान्ति के स्वरूप को जानने तथा सदाचारी मानव के रूप में प्रवृत्त होने का अवसर प्राप्त होगा।

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

# बहुविषयक पाठ्यक्रम (संस्कृत) वर्ष 2024–25

## MDC-SAN-10T-3001 -पंचम सेमेस्टर

## धर्मशास्त्र, गद्य साहित्य, अलंकार एवं कारक प्रकरण

समय : 3 घण्टे अंक : 80

सामान्य निर्देश –

1. प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 32 तथा पूर्णांक 80 होंगे और समय 3 घंटे का होगा। इसके साथ प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक मध्यावधि मूल्यांकन हेतु निर्धारित है। उत्तीर्णांक 40% होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के पश्चात् ही मुख्य परीक्षा में परीक्षार्थी को बैठने की अनुमति होगी।
2. परीक्षा का प्रश्न पत्र केवल हिन्दी में बनाया जाएगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
3. संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
4. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिए निर्धारित है।
2. प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें 10 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। प्रथम प्रश्न में सभी इकाईयों से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा शेष इकाईयों से आन्तरिक विकल्पों के चयन के साथ एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद/ निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं हैं।

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य

स्नातक स्तर में संस्कृत विषय के अन्तर्गत विद्यार्थी संस्कृत भाषा और उसके प्राचीनतम साहित्य से परिचित हो सकेगा। स्नातक स्तर पर पञ्चम सेमेस्टर के इस प्रश्नपत्र में 4 यूनिट हैं। जिसमें धर्मशास्त्र, काव्य एवं कारक का विद्यार्थी अध्ययन करेगा। इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी पुरातन सत्य सनातन संस्कृति में



डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक-प्रथम

विद्यमान धर्मशास्त्रीय व्यवस्था के अन्तर्गत मनुस्मृति में वर्णित आचार सम्बन्धी विषयों का अध्ययन कर सकेगा। विश्रुत चरितम् के अध्ययन से गद्यकाव्य के स्वरूप परिचय होगा। काव्य के अन्तर्गत अलंकारों के स्वरूप का बोध हो सकेगा। कारके के अध्ययन से भाषा को बोलने व समझने की शक्ति का वर्धन होगा।

पाठ्यक्रम

Unit- I –मनुस्मृति (आचाराध्याय)– 20 अंक

Unit- II –विश्रुतचरितम्–दण्डी 20 अंक

Unit- III –काव्यदीपिका (अष्टम शिखा)– 20 अंक

भेदोपभेद सहित निम्नांकित अलंकार –
अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, रूपक, उपमा, मालोपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, दीपक, तुल्ययोगिता, अपह्नुति एवं दृष्टान्त।

Unit- IV –कारक प्रकरण – सिद्धान्तकौमुदी 20 अंक

अंक– विभाजन

| क्र. सं. | पुस्तक का नाम | प्रश्न संख्या 1 में लघूत्तरात्मकप्रश्न | अंक | निबन्धात्मक प्रश्न संख्या | अंक | अंको का योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | मनुस्मृति (आचाराध्याय) | लघूत्तरात्मक 3 | 06 | 02 अ<br>02 ब | 14 | 4<br>10(5+5) |
| 2. | विश्रुतचरितम्–दण्डी | लघूत्तरात्मक 3 | 06 | 02 अ<br>02 ब | 14 | 10(5+5)+4 |
| 3. | काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) | लघूत्तरात्मक 2 | 04 | 03 अ<br>03 ब | 16 | 5+5(10)+6 |
| 4. | कारक प्रकरण – सिद्धान्तकौमुदी | लघूत्तरात्मक 2 | 04 | 04 अ<br>04 ब | 16 | 6(3+3)+10 |
| | कुल | 10 | 20 | 04 | 60 | 60+20=80 |

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

**I** - मनुस्मृति (आचाराध्याय)

अरुण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

भाग अ में 2–2अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

1.दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट है। 04 अंक

2. चारविषयों पर टिप्पणी पूछ कर किन्हीं दो का उत्तर अभीष्ट है। 10(5+5) अंक

**II** - विश्रुतचरितम्—दण्डी

भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक

भाग ब

1. 4 गद्य पूछकर उनमें से किन्हीं 2 गद्यों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 10(5+5) अंक
2. दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 04 अंक

**III** - काव्यदीपिका (अष्टम शिखा)

भाग अ में 2–2 अंक के दो लघूत्तरात्मक प्रश्न से पूछे जायेंगे । 04 अंक

अ. अलंकार प्रकरण

4 अलंकारों के लक्षण–उदाहरण पूछकर किन्हीं 2 अलंकारों के लक्षण–उदाहरण सहित व्याख्या अपेक्षित है।

प्रत्येक अलंकार के लक्षण–उदाहरण सहित व्याख्या के लिये 5 अंक निश्चित हैं। 10 अंक

दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 06 अंक

**IV** - कारक प्रकरण – सिद्धान्तकौमुदी

भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 04 अंक

भाग ब

1. 4 सूत्र पूछकर उनमें से किन्हीं 2 सूत्र की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 06(3+3) अंक
2. संस्कृत अनुवाद –

10 वाक्य पूछकर उनमें से किन्हीं 05 वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद अपेक्षित है।

प्रत्येक अनुवाद के लिए 2–2 अंक निर्धारित है। 10 अंक

## सहायक पुस्तकें–


1. काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) – कान्तिचंद्र भट्टाचार्य।
2. काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ. रामनारायण झा।
3. काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी।
4. विशुद्ध मनुस्मृति – डॉ. सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट।
5. मनुस्मृति – सत्यभूषण योगी, मोतीलाल बनारसीदास।
6. मनुस्मृति – डॉ. गजानन शास्त्री, मुसलगांवकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।




डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम

## व्याकरण – कारक प्रकरण

1. सिद्धान्त कौमुदी– प्रो. अर्कनाथ चौधरी।
2. बृहद् रचनानुवाद कौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी।
3. संस्कृत व्याकरण– श्री निवास शास्त्री।
4. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल

## संस्कृतण साहित्य का इतिहास –

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – पी.वी. काणे, मोतीलाल बनारसी, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – कपिल देव द्विवेदी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
5. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – ए.बी. कीथ
6. अलंकारशास्त्रेतिहासः – डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्रः

## पाठ्यक्रम का परिणाम

स्नातक स्तर पर संस्कृत विषय के इस प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम से विद्यार्थी को विषय के विस्तृत ज्ञान का अवसर मिलेगा। धर्मशास्त्र सम्बन्धी विषयों की समृद्धता से विद्यार्थी का परिचय होगा। अलंकार व कारक परिचय से विद्यार्थी की वाणी में निखार आयेगा। इस प्रकार के पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी में मानवी गुणों का विकास होगा जो वर्तमान संक्रमित काल में अत्यावश्यक है।

## ज्ञेय परिणाम

विद्यार्थी को धर्मशास्त्रीय आचरणीय कर्त्तव्यों के सम्यक् बोध होने से उन्हें जीवन में अंगीकृत करने की प्रवृत्ति का विकास होगा तथा वह समाज का मार्ग प्रशस्त करने का आधार बनेगा।

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय
उपकुलसचिव
प्रभारी अकादमिक प्रथम